उनकी कम्यूनिटी में जल संरक्षण एवं स्वच्छता पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया इस कार्यक्रम से 15000 बच्चे व उनकी कम्यूनिटी लाभान्वित हुयी, नेस्डेप कार्यक्रम के अन्तर्गत अभी तक 25 विद्यालयों में 2500 छात्र-छात्राओं एवं 5000 जन समुदाय को जोड़ा गया है।

संस्था द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण जागरुकता अभियान के तहत अभी तक 15 से ज्यादा वर्कशाप तथा एक्शन कार्यक्रम चलाये जा चुके हैं। संस्था का ''पर्यावरण प्रशिक्षण एवं रिसर्च सेन्टर'' पर्यावरण सुधार एवं ईको फ्रेण्डली प्रणाली पर कार्य कर रहा है।

स्वास्थ्य एवं शुद्ध पेयजल

संस्था द्वारा महिलाओं व बच्चों में आयरन व कैल्शियम से होने वाली समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से दवाओं का वितरण व मेडिकल कैम्प लगाये जा रहे है, संस्था द्वारा उ.प्र. हेल्थ सिस्टम डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट (विश्व बैंक) एवं सेक्टर इन्वेस्टमेन्ट प्रोजेक्ट (यूरोपीयन कमीशन) जौनपुर में सफलतापूर्वक चलाये जा चुके हैं। संस्था द्वारा वाराणसी जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली, में पी.एन.डी.पी. वर्कशॉप, एन.आर.एच.एम. योजना अन्तर्गत डाक्टर व आशाओं को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। वर्तमान में शुद्ध पेय जल एवं स्वास्थ्य पर कार्य किया जा रहा है।

शोध, वर्कशाप एवं प्रशिक्षण संस्था द्वारा इस वर्ष ''मनरेगा का सामाजिक, आर्थिक, एवं पर्यावरणीय स्थिति पर प्रभाव एवं उसके परिणाम'' तथा ''महिला स्वयं सहायता समूह का उनके सामाजिक, आर्थिक विकास पर प्रभाव'' पर

50 गॉवों का तुलनात्मक अध्ययन किया गया। पंचायती राज एवं महिला सशक्तिकरण पर आई.सी.एस.एस.आर., मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, जल संरक्षण एवं जैव विविधता पर संगोष्ठी, रिसर्च पत्रिका व पर्यावरण एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर पुस्तकें प्रकाशित की गयी हैं।

आर्थिक सशक्तिकरण

देश में ज्यादातर महिलाएँ कृषि कार्यों, हस्त शिल्प व कुटीर उद्योगों में कार्यरत है, वे परम्परागत हस्तान्तरण की वजह से गरीबी रेखा से ऊपर नहीं उठ पाती है। इनके आर्थिक सशक्तिकरण के लिये संस्था प्रयासरत है उसके द्वारा तैयार किये गये सामानों को गुणवत्ता युक्त बनाकर उन्हें बाजार प्रदान करने के लिये संस्था इनके उत्पादों को ''विलेज क्राफ्ट'' के नाम से प्रोत्साहित कर रही है साथ ही उन्हें विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों व स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उनके आर्थिक विकास में सहयोग किया जा रहा है।

इसमें क्राफ्ट,बुटिक, हस्त शिल्प के अतिरिक्त नेचुरल होली कलर, व दीपावली के दीये शामिल हैं।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

1. सार प्रतिभा खोज परीक्षा के माध्यम से 4 राज्यों में 22 जिलों के 30 हजार बच्चों और लाखों अभिभावकों तक संस्था की शैक्षणिक पहुँच।
2. उ.प्र. के राज्यपाल प्रो. विष्णु कान्त शास्त्री सहित कई मन्त्री, शिक्षाविद्, तिब्बत के प्रधानमंत्री एवं भारत के उपराष्ट्रपति संस्था के कार्यक्रमों में सम्मिलित।
3. पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु डी.ए. द्वारा सेन्ट्रल जोन में वर्ष 2003 एवं 2006 के सर्वश्रेष्ठ क्लीन पार्टनर का पुरस्कार दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित एवं मुख्य न्यायाधीश कर्नाटक द्वारा।
4. वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वर्मी कम्पोस्टिंग, स्वयं सहायता समूह द्वारा जूट एवं कागज के बैग एवं विभिन्न वस्तुओं का निर्माण एवं महत्वपूर्ण शोध कार्यक्रम।
5. महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यक्रम के अन्तर्गत 150 महिला शिक्षण केन्द्र।
6. पर्यावरण व स्वास्थ्य जागरुकता परम्परागत चिकित्सा एवं औषधीय पौधों की कृषि को प्रोत्साहन, पेपर रिसाइकिल एवं जल, कचरा प्रबन्धन।
7. पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं महिला सशक्तिकरण पर 15 पुस्तकों का प्रकाशन।
8. 20 विद्यालयों में आधुनिक शौचालय, वाटर फिल्टर एवं क्लीन वाश योद्धा टीम।

Society for Social Action & Research

Stb : 1996

सार संस्थान

एक परिचय

An Introduction

E-8, Phase-2 Premchand Nagar, Pandeypur, Varanasi. -221002
Ph.: (0542) 2586012, Mo. : 09415686502
e-mail–ssarsansthan100@gmail.com,
Web: www.ssarsansthan.org

Branch Office
E-108, Tara Nagar-Khirani Gate, Jaipur, Pin-302012
Daljeet Nagar, Station Road, Idar, Gujrat. Mo No. 09978757374

सोसायटी फार सोशल एक्शन एण्ड रिसर्च (सार संस्थान) विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाओं एवं बच्चों के आर्थिक, शैक्षणिक,स्वास्थ्य एवं मानसिक विकास के प्रति अग्रसर है। संस्था का उद्देश्य है- लोगों को आर्थिक विकास के प्रति सजग करना, क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है मगर देश में सर्वाधिक गरीब, किसान और मजदूर हैं, एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में निर्धनों की आय ही कम नहीं बल्कि बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं तक भी उनकी समुचित पहुँच नहीं है। कृषि क्षेत्र में मात्र 15 प्रतिशत लक्ष्य ही पूरे हो पाये हैं। सजग नागरिक ही अपने एवं देश के विकास में योगदान दे सकता है। क्षेत्र के लोगों में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरुकता पैदा करना संस्था का प्रथम प्रयास है जिससे लोग आपस में मिलजुल कर सशक्त होकर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हो सकें। देश के संसाधनों एवं योजनाओं तक उनकी पहुँच हो सके। लोग अपने उत्तरदायित्व को समझकर स्वतः विकास की राह पर चलें। संस्था का ध्येय लोगों को एक चेन के रूप में सहायता देकर उन्हें विकास की दिशा में उन्मुक्त वातावरण का निर्माण करना है। संस्था सुविधा विहिन एवं दुर्गम क्षेत्रों में भी अपने कार्यक्रमों से क्षेत्र के लोगों को लाभान्वित करने के प्रयास में लगी है।

''सोसायटी फार सोशल एक्शन एण्ड रिसर्च'' सार संस्थान एक स्वैच्छिक और लाभ रहित संस्था है जिसकी स्थापना 14 नवम्बर 1996 को हुयी।

इसका पंजीकरण, सोसायटी एक्ट 1960 के अन्तर्गत 142/98-99 को हुआ, संस्था 80 जी0 एवं 12 ए0 के अन्तर्गत राज्य एवं केन्द्र सरकार में पंजीकृत है, संस्था एफ.सी.आर.ए. में भी गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पंजीकृत है।

संस्था वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम चला रही है इसमें उ0प्र0 के वाराणसी, मिर्जापुर, गाजीपुर, भदोही, चन्दौली, आजमगढ़, मऊ, राजस्थान के जयपुर एवं उदयपुर तथा गुजरात के ईडर (सॉवरकांठा) जिले शामिल हैं।

संस्था से देश के प्रमुख शिक्षाविद् प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्त्ता, चिकित्सक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी, पर्यावरणविद्, महिलाएँ एवं बच्चे जुड़े है तथा संस्था की कार्ययोजनाओं में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

1. निराश्रित, अपंग तथा अपेक्षित वर्ग की सहायता एवं उनका विकास।
2. पर्यावरण, जल संरक्षण एवं स्वच्छता विकास
3. कुटीर उद्योग, हस्त शिल्प, शिक्षा,स्वास्थ्य, मनोरंजन, नशाबन्दी एवं जनचेतना कार्यक्रम को प्रोत्साहन।
4. निर्धन वर्ग के बच्चों को विकास योजनाओं का लाभ पहुँचाना तथा विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम।
5. अल्पकालीन एवं विशिष्ठ पाठ्यक्रमों के विस्तार हेतु केन्द्रों की स्थापना एवं प्रशिक्षण।
6. राज्य के कल्याणकारी लक्ष्यों की पूर्ति में सहयोग देना जैसे- परिवार कल्याण, अल्पबचत, स्वास्थ्य, पर्यावरण सुधार, तकनीकी व ग्रामोद्योग योजना, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूह, मानवाधिकार संरक्षण इत्यादि।
7. शैक्षणिक पत्र-पत्रिकाओ का प्रकाशन, मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक शिविरों का अयोजन एवं शोध कार्यक्रम।
8. पुस्तकीय एवं वाचनालयों तथा रोजगार सूचना केन्द्रों की स्थापना।
9. अभिरुचि योग्यता, खेल, प्रतिभा के विकास हेतु प्रतियोगिताओं का आयोजन।
10. जागरुकता कार्यक्रम (विकास मेले, सेमिनार, प्रशिक्षण)।
11. ग्रामीण विकास, पेय जल, भूमि विकास।

शैक्षणिक विकास

संस्थान द्वारा जौनपुर के रामनगर ब्लॉक के 25 गॉवों में तारा अक्षर साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है, इसके अन्तर्गत 75 बैचों में 750 महिलाओं को आधुनिक इलेक्ट्रानिक माध्यम से साक्षर बनाया जा रहा है।, महिलाएँ 56 दिन में साक्षर हो कर अपनी पाठशाला के माध्यम से अध्ययन को जारी रखती है। वर्तमान में 180 केन्द्रों में महिलायें अध्ययनरत है। इसके अतिरिक्त 'प्रतिभा खोज अभियान' में लगभग 1 लाख से अधिक स्कूली बच्चे शामिल हो चुके हैं इसके अन्तर्गत प्रतिवर्ष 1500 इण्टर तक के स्कूली बच्चे संस्था द्वारा पुरस्कृत होते हैं, संस्था द्वारा संचालित पुस्तकालय एवं सूचना केन्द्र जिसमें 5 हजार से ज्यादा पुस्तकें व जनरल हैं, इससे हजारों लोग लाभान्वित होते है, संस्था द्वारा प्रकाशित **''द इण्टरनेशनल जनरल ऑफ सोशल साइंस एण्ड लिग्विस्टिक्स''** के भारत में 500 से अधिक सदस्य है, संस्था द्वारा तकनीकी व कौशल विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था अनेक शोध व पर्यावरण से जुड़ी पुस्तकों व सन्दर्भ साहित्य, प्रशिक्षण सामग्री का भी प्रकाशन कर रही है।

पर्यावरण व स्वच्छता

स्वस्थ्य जीवन का आधार शुद्ध पर्यावरण व स्वच्छता है पूरे विश्व में जल जनित बीमारियों से लगभग 70% मृत्यु होती है संस्था द्वारा डेवलेपमेन्ट अल्टरनेटिव्स, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, जल संसाधन मंत्रालय, जी.आई. जेड़, शोहरतगढ़ एन्वायरामेन्टल सोसायटी, वर्ल्ड वाइल्ड फाउण्डेशन आदि के सहयोग से कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संचालन संस्था द्वारा किया जा चुका है। संस्था के सभी कार्यक्रम स्कूल व कालेज के छात्र-छात्राओं व जन समुदाय के जागरुकता एवं एक्शन पर आधारित रहे हैं। इस वर्ष संस्था द्वारा

जोकनिक प्रोजेक्ट के अन्तर्गत तारा नयी दिल्ली के सहयोग से 20 विद्यालयों में आधुनिक शौचालयों का निर्माण एवं वाटर फिल्टर की स्थापना की गयी है। साथ ही उन विद्यालयों एवं